न्यूज डायरी

श्रीलंका को भारत की ओर से मिल रही मानवीय सहायता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को। श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त गोपाल बागले ने शुक्रवार को श्रीलंका की मानवीय सहायता में भारत के आगे आने की बात कही। उन्होंने दोनों देशों को समुद्री पड़ोसी देश बताया। उच्चायुक्त वागले ने कहा, श्रीलंका की मानवीय सहायता के लिए भारत आगे आया है। उच्चायुक्त बागले ने कहा, जब भारत कोराना महामारी से जूझ रहा था तब इसके लिए श्रीलंका में दुआएं और प्रार्थना हुई और जब श्रीलंका में महामारी ने विनाश किया तब इसकी मदद के लिए भारत से दवाओं और अन्य आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई भेजी गई। हम कोरोना के बाद आर्थिक सुधार के लिए श्रीलंका सरकार के साथ निकट संपर्क और चर्चा में हैं। इसी साल फरवरी में भारत ने श्रीलंका को 40,000 मीट्रिक टन ईंधन की आपूर्ति की थी। उस वक्त भी उच्चायुक्त बागले ने कहा था कि भारत एक प्रतिबद्ध भागीदार और श्रीलंका का सच्चा मित्र है।

लैंडिंग के बाद दो हिस्सों में टूटा विमान, प्लेन से निकलता दिखा धुआं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। एक कार्गो एयरप्लेन गुरुवार को कोस्टा रिका में आपातकालीन लैंडिंग के दौरान टूट गया। इस हादसे के चलते सैन होजे में अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा गया। जर्मन कंपनी डीएचएल के पीले रंग के विमान से निकलते धुएं को देखा जा सकता था। विमान ने लैंड किया और रनवे से फिसलकर रुक गया। उसका पिछला टूट चुका था और प्लेन के दो टुकड़े हो चुके थे। कोस्टा रिका के अग्निशामकों के प्रमुख हेक्टर चाव्स ने बताया कि चालक दल के दोनों सदस्य श्अच्छी स्थिति मेंश थे। फिर भी, रेड क्रॉस कार्यकर्ता गुइडो वास्केज के अनुसार ग्वाटेमाला के दोनों नागरिकों को एहतियात के तौर पर मेडिकल चेकअप के लिए अस्पताल भेजा गया है। उन्होंने कहा कि पायलट चौंक गया था लेकिन दोनों सदस्य होश में थे और उन्हें हर चीज अच्छे से याद थी।
यह हादसा सुबह 10:30 बजे से ठीक पहले हुआ।

चीन के बढ़ते दखल का खामियाजा भुगत रहे हैं दक्षिण एशिया के तीन मुल्क

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दक्षिण एशिया के तीन मुल्ख्कों में आर्थिक बदहाली और राजनीतिक अस्थिरता चर्चा का विषय बना हुआ है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या दक्षिण एशिया के प्रमुख देश भारत में यह स्थिति उत्पन्न हो सकती है? प्रो हर्ष वी पंत ने कहा कि निश्चित रूप से नेपाल, श्रीलंका और पाकिस्तान की हालत बेहद नाजुक है। इन मुल्ख्कों में राजनीतिक अस्थिरता के साथ आर्थिक स्थिति बेहद नाजुक है। उन्होंने कहा कि खास बात यह है कि तीनों मुल्कों का संबंध दक्षिण एशिया से है। भारत भी दक्षिण एशिया का प्रमुख मुल्क है। इसलिए यह सवाल लाजमी है। उन्होंने कहा कि भारत की स्थिति भिन्न है। भारत में इसकी आशंका कम है। देश में राजनीतिक स्थिरता है। भारत में एक मजबूत सरकार है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान निश्चित रूप से दुनिया के आर्थिक हालात अच्छे नहीं है।

उत्साहित विपक्ष अब चाहता है बलूचिस्तान के चुनाव टालना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। सुप्रीम कोर्ट में इमरान खान पर मिली जीत के बाद विपक्ष काफी उत्साहित दिखाई दे रहा है। यही वजह है कि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग– नवाज के अध्यक्ष शाहबाज शरीफ ने बलूचिस्तान में होने वाले चुनाव को टालने की मांग की है। एक स्थानीय टीवी चौनल से हुई वार्ता के दौरान शरीफ ने कहा कि देश के मौजूदा राजनीतिक हालातों को देखते हुए इस चुनाव को आगे बढ़ा देना चाहिए। एआरवाई ने बताया है कि शरीफ ने इसके लिए देश के चुनाव आयोग से भी अपील की है। उन्होंने ये भी कहा है कि बलूचिस्तान के नेता फिलहाल इस्लामाबाद की राजनीतिक सरगर्मी में व्यस्त हैं। यहां पर ध्यान देने वाली बात ये है कि बलूचिस्तान में चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने 29 मई का दिन तय किया है। इसलिए फिलहाल यहां पर चुनाव करवाना संभव नहीं है।

अमेरिका ने बनाई नई परमाणु बम गिराने वाली मिसाइल

खतरा

अमेरिका ने अपनी इस नई मिसाइल का नाम एलजीएम–35 ए सेंटिनल रखा है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। यूक्रेन जंग को लेकर रूस के साथ चल रहे तनाव के बीच अमेरिका ने नई अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल को दुनिया के सामने पेश किया है। यह मिसाइल परमाणु बम ले जाने में सक्षम है और पुरानी पड़ चुकी LGM-30G मिनटमैन III मिसाइल की जगह लेगी। अमेरिका ने इस मिसाइल का नाम LGM-35A Sentinel सेंटिनल रखा है। अमेरिका ने इस मिसाइल को ऐसे समय पर बनाया है जब वॉशिंगटन के धुर विरोधी देश रूस, चीन और उत्तर कोरिया बड़े पैमाने पर महाविनाशक मिसाइलों का निर्माण कर रहे हैं।

उत्तर कोरिया ने तो हाल ही में अमेरिका तक मार करने वाली परमाणु मिसाइल का परीक्षण किया था। इसी महीने अमेरिकी वायुसेना ने आधिकारिक रूप से जमीन आधारित प्रॉजेक्ट LGM-35A Sentinel को नामित किया है। यह मिसाइल मिनटमैन मिसाइल की जगह लेगी जो अभी तक अमेरिकी परमाणु हथियारों के लिए प्रमुख मिसाइल थी। अमेरिका के इस कदम से रणनीतिक प्रतिरोधक क्षमता बनी रहेगी। साथ ही 1970 के दशक की मिनटमैन मिसाइल को आधुनिक बनाने से कम कीमत में इस नई मिसाइल को तैयार किया जा सकेगा।

मिसाइल को शामिल करने पर कुल 100 अरब डॉलर का खर्चः मिनटमैन मिसाइल पिछले 50 साल से अमेरिकी हथियारों के जखीरे की शान रही है। नई सेंटिनल मिसाइल में पूरी तरह से एकीकृत लॉन्च और फ्लाइट सिस्टम है जो अत्याधुनिक कमांड एंड कंट्रोल क्षमता से लैस है। यह मिसाइल साल 2029 से मिनटमैन की जगह पर सेवा में आ जाएगी और साल 2070 के दशक तक यह सेवा में बनी रहेगी। इस नई मिसाइल को शामिल करने पर कुल 100 अरब डॉलर का खर्च आएगा। इसके साथ ही अमेरिका की सेना में बी–21 राइडर और कोलंबिया क्लास की मिसाइल सबमरीन भी शामिल होगी। इस तरह से अमेरिका जमीन, हवा और समुद्र से कहीं भी और कभी भी परमाणु हमला कर सकेगा।

सेंटिनल मिसाइल में अपने पूर्ववर्ती मिसाइल की तुलना में कई बदलाव किए गए हैं। सेंटिनल मिसाइल को इस तरह से बनाया गया है जिससे अगर कोई पार्ट खराब हो जाता है तो उसे आसानी से बदला जा सकेगा। इसे अपग्रेड करना भी आसान है। इससे यह दुश्मन के एयर डिफेंस को आसानी से चकमा दे सकेगी। यह मिसाइल अपने साथ ज्यादा विस्फोटक ले जा सकती है। इससे यह अब 3 वारहेड को ले जा सकेगी। अमेरिका के दुश्मन रूस, चीन और उत्तर कोरिया लगातार अत्याधुनिक अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलों का विकास और निर्माण कर रहे हैं। यही नहीं ये देश हाइपरसोनिक मिसाइल भी बना चुके हैं।

सीक्रेट चुराने की फिराक में थे आईएसआई के जासूस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका ने देश के राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार सीक्रेट सर्विस समेत उसके खुफिया एवं सुरक्षा तंत्र में घुसपैठ की कोशिश करने वाले कथित आईएसआई सेल का भंडाफोड़ किया है। आईएसआई पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी है। एरियन ताहेरजादेह (40) और हैदर अली (35) को दक्षिण पूर्व वाशिंगटन में संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने गिरफ्तार किया था।

उनके खिलाफ आरोप है कि उन्होंने स्वयं को एक अमेरिकी अधिकारी बताकर अपनी गलत पहचान बताई। अदालत में ताहेरजादेह और अली की पेशी के दौरान असिस्टेंट अमेरिकी अटॉर्नी जोशुआ रॉथेस्टीन ने डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया की अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में मजिस्ट्रेट जज जी माइकल हार्वे से कहा कि अली ने गवाहों से कहा कि वह आईएसआई से संबद्ध है।

आरोपी के पास मिले पाकिस्तान और ईरान के वीजा संघीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने बताया कि अली के पास पाकिस्तान और ईरान के कई वीजा हैं। रोथस्टीन ने कहा, हमने उसके दावों की सत्यता की पुष्टि नहीं की है, लेकिन उसने गवाहों के समक्ष दावा किया कि उसके पाकिस्तान की खुफिया सेवा आईएसआई के साथ संबंध हैं।

एफआईए ने फराह खान के खिलाफ शुरू की जांच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। इमरान खान के कार्यकाल में पाकिस्तान की हालत और ज्यादा बदहाल हो गई। देश पर विदेशी कर्ज कई गुना बढ़ चुका है और आवाम महंगाई की मार झेल रही है। लेकिन इमरान खान के करीबियों ने इस दौरान खूब तरक्की की है। पाकिस्तानी मीडिया में आई खबरों की मानें तो इमरान खान की बेगम और पाकिस्तान की प्रथम महिला बुशरा बीबी की करीबी दोस्त फराह खान, जिन्हें फराह शहजादी के नाम से भी जाना जाता है, ने पिछले साल बड़े मात्रा में डॉलर अपने विदेशी मुद्रा खाते में जमा किए। पाकिस्तानी मीडिया द न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक जनवर से सितंबर 2021 के दौरान फराह ने अपने खाते में 249,650 डॉलर (1.89 करोड़ रुपए) कैश जमा किया।

शंघाई में सख्त लाकडाउन से लोगों में गुस्सा, खाना–पानी की कमी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अपने–अपने घरों में कैद हुए लोग

बीजिंग। चीन का शंघाई शहर कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित है। कई दिनों से जारी लाकडाउन के चलते शंघाई में मेडिकल सुविधा और खाने की चीजों के लाले पड़ गए है। दरअसल, बीते महीने से ही शंघाई में लाकडाउन लगाया गया है। करीब ढाई करोड़ लोग अपने–अपने घरों में कैद हैं।

शंघाई में जीरो कोविड पालिसी के तहत सख्त लाकडाउन लगाया गया है। लाकडाउन का सख्ती से पालन कराने के लिए शंघाई में चीनी सेना और हेल्थ वर्कर्स का सहारा लिया जा रहा है। यहां तक कि संक्रमित माता–पिता को उनके बच्चों से अलग किया जा रहा है। समाचार एजेंसी सीएनएन ने बताया कि ये परिस्थितियां सरकार के खिलाफ जा रही हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक कमेंट भी वायरल हो रहा है। कमेंट में लिखा है, हम कोरोना से नहीं, कोरोना नियंत्रण के उपायों से मारे जा रहे हैं।

बता दें कि बुधवार को चीन में कोरोना के 20 हजार से ज्यादा मामले सामने आए थे। कोरोना की पीक के समय वुहान में साल 2020 में इससे कम केस आए थे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग के मुताबिक, मार्च के अंत तक यह वायरस चीन के 31 प्रांतों में से 29 में फैल चुका था।

ग्लोबल टाइम्स का हवाला देते हुए सीएनएन ने बताया कि 1 अप्रैल को चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुख्य विज्ञानी वू जुनयू ने कहा कि चीन श्जीरो कोविड पालिसी पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगाश। उन्होंने आगे कहा कि प्रतिबंधों में ढील देने और सीमाओं को खोलने से चिकित्सा संसाधनों और बढ़ती मौतों जैसी कई समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

शंघाई की ढाई करोड़ की आबादी के कोविड टेस्ट के लिए चीन ने शहर में सेना को उतारा है। चार अप्रैल को अधिकारियों ने शंघाई को अनिश्चित काल के लिए बंद कर दिया है।

जंग में बड़ी संख्या में रूसी जवानों की हुई मौत, क्रेमलिन प्रवक्ता का बयान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मास्को।
आखिरकार अब रूस ने इस बात को स्वीकार किया कि यूक्रेन के साथ जंग में उसके सैनिकों की भी मौत हुई है जिनकी संख्या काफी अधिक है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने एक इंटरव्यू में इस बात को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के साथ जंग में बड़ी संख्या में रूसी सैनिकों ने जान गंवाई। स्काई न्यूज को दिए गए अपने इंटरव्यू में क्रेमलिन प्रवक्ता ने कहा, श्हमने अनेक जवानों को खो दिया। यह हमारे लिए काफी बड़ा नुकसान है।श युद्ध अपराध मामले को खत्म करने के लिए रूसी राष्ट्रपति के रुख को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने साफ कहा कि इसकी कोई संभावना नहीं है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा उठाए गए नवीनतम कदम में मानवाधिकार परिषद से रूस को सस्पेंड कर दिया गया है। यह फैसला संयुक्त राष्ट्र की आम सभा में यूक्रेन पर मास्को के हमले के मद्देनजर लिया गया है। यूएन आम सभा ने परिषद से रूस को 93–24 मतों से हटा दिया जिसमें 58 देशों ने वोट डाले ही नहीं।